# सॉफ्ट ड्रिंक्स का बाजार की बल्ले-बल्ले

**देश मे वायुकृत पेय पदार्थ श्रेणी एग्रीरेट ब्रेगरेज कैटेगरी 14 हजार करोड़ रुपये तक मांपा गया और तेजी से बढ़ रहा है**

**जयपुर।** चिलचिलाती गर्मियों में घर-घर में दिलोदिमाग को ताजगी देने वाले कोल्ड ड्रिंक्स को पहली पसंद मिलती है। इस लिए इस सिजन में हमारे देश मे वायुकृत पेय पदार्थ श्रेणी एग्रीरेट ब्रेगरेज कैटेगरी 14000 करोड़ रुपये तक मांपा गया है और तेजी से बढती जा रही है। लेकिन इससे ज्यादा ग्रोथ देखी गई है मेंगो ड्रिंक्स मार्केट में। फिलहाल देश के मेंगो ड्रिंक्स मार्केट का लिडर है कोका कोला का ब्रांड माजा 48 फीसदी मार्केट पर इस ब्रांड का कब्जा है। एइसी के साथ फ्रूटी का शेयर 25.6 फीसदी है और स्लाइस का शेयर है 23.4 फीसदी और बाकी बचे सारे प्लेयर का मार्केट शेयर सिर्फ 3 फीसदी है।

अपने मार्केट शेयर को बढाने के लिए पार्ले एग्रो ने इस समर सिजन में नई ड्रिंक कैंपन लॉन्च किया है। ये कैंपेन एक हाइपर लोकल मार्केट रणनीति के साथ बनाया गया है। इस कैंपेन मे आलिया भट्ट और टॉलीवुड सुपरस्टार अल्लू अर्जुन है। ऐसा पहली बार हुआ है फ्रूटी रीजन स्पेशिफिक कमर्शियल लॉन्च करेगी। इस साल फ्रूटी चेन्नई सुपर किंग्स का ऑफिशियली प्योरिंग पार्टनर भी है। इसलिए कंपनी ने लिमिटेड एडिशन सीएसके पैक्स भी लांच किये है 160एमएल टेट्रा पैक 300एमएल पीईटीए, 600एमएल पीईटी और 2.25 लीटर के एसकेयू मे इसी के साथ साथ बिसलरी भी इस साल बिस्लेरी फोन्जोए बबली मेंगो ड्रिंक्स बाजार मे उतारगी। ये ड्रिंक्स 250 एमएल पीईटी बोटल में मिलेगी और इसकी किमत होगी 18 रुपये। इस ड्रिंक्स मे रीयल मेंगो ज्यूस के साथ एक रीफ्रेशिंग का स्वाद टेस्ट करने मिलेगा।

### कैंपन का नया तरीका

पेप्सीको के सबसे बडे प्रतिस्पर्धी कोका कोला ने ट्रेडिसनल फॉर्म ऑफ मार्केटिंग से दुर हटकर कुछ नया सोचा। इस साल कोका कोल इंडिया के सारे समर कैपेंन मे कोइ भी बडे बडे आउटडोर होर्डिंग्स नही है। साथ मे गर्मियों को और चटपटा बनाने के लिये रसना ने भी अपने नए जायके बाजार मे उतारे हैं। सबसे पहला कैंपेन लॉन्च हुआ है रसना मसाला ओरेंज का। इस कैंपेन मे करीना खान को बतौर ब्रांड एम्बेसडर चुना गया है। रसना मसाला ओरेंज इस नये प्रोडक्ट के जरिए कंपनी प्रोडेक्ट इनोवेशन कि ओर ठोस कदम उठा रही है। और इसी के साथ साथ काली मिर्च, दालचीनी, अदरक, जीरा, लाल मिर्च, मिंट और सौंफ बीज जैसे जायके के साथ नए प्रोडक्ट बाजार मे लाया है। रसना मसाला ओरेंज चार पैकेज साइज मे मिलेगा और इन पैक कि कीमत 2 रुपये से शुरु होगी। हर ब्रांड अपनी तरह से प्रोडक्ट या कैंपेन में इनोवेशन लेकर हाजिर है। अब किंग कंज्यूमर किसे पसंद करता है ये तो गर्मियों के बढ़ते तापमान के साथ साबित होगा ।

### अभिनेताओं के ब्रांडिंग करने से भी फायदा

मैंगो फ्लेवर्ड सॉफ्ट ड्रिंक्स के बाद कोला ब्रांड की बात करे तो कम्पनी ने पिछले दिनो एक नया और मजेदार नया अभियान लांच किया है। क्यूं सूखे-सूखे हाय नाम का ये कैंपेन फूड फन और पेप्सी के अपराजेय कॉम्बो को सेलिब्रेट करता है और कहता ही जिंदगी जितनी अच्छे दोस्त और खाने के बगैर अधुरी है उतनी ही पेप्सी बिना भी अधुरी है। इस कैपेन का हिस्सा बने है पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और मनोजत सिंह। इस तिगड़ी की धम्माल हमने फुकरे फिल्म में देखी है। इस एड फिल्म मे इन तिनो दोस्तों की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री कैंपन में फन फैक्टर जोड़ रही है।

## आरआईएल को पीछे छोड़ टीसीएस बनी देश की नंबर 1 कंपनी

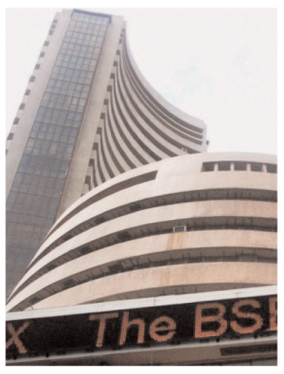


**भारत** की सॉफ्टवेयर कंपनी टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) एक बार फिर देश की सबसे धनी कंपनी बन गई है। गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को एक बार फिर पछाड़कर देश की सबसे मूल्यवान कंपनी होने का रुतबा हासिल कर लिया है। इससे पहले इस वर्ष जनवरी में कंपनी ने बाजार पूंजीकरण के मामले में 6 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर रिलायंस इंडस्ट्रीज को पछाड़ा था।

आपको बता दें कि शेयरों में उछाल के बाद टीसीएस का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 6,00,569.45 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। जो RIL से 12,998.89 करोड़ ज्यादा था।

### शेयर मार्केट में तेजी

TCS बीएसई पर करीब 11.45 बजे 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3150 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसका दिन का उच्चतम 3170 और निम्मनतम 3131.10 का स्तर रहा है। वहीं, इसका 52 सप्ताह का उच्चतम 3254.80 का स्तर और निम्मनतम 2255 का स्तर रहा है। तो वहीं गुरुवार के कारोबार में टीसीएस के शेयर्स 4.04 प्रतिशत बढ़कर 3137 के स्तर पर कारोबार कर बंद हुए थे। इस समय बीएसई पर RIL 0.75 की बढ़त के साथ 934.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसका दिन का उच्चतम कारोबार 936.90 और निम्मनतम 929.10 के स्तर पर चल रहा है। तो वहीं 52 सप्ताह का उच्चतम कारोबार 990 और निम्मनतम कारोबार 647.50 के स्तर पर चल रहा है। टॉप 5 कंपनियों में टीसीएस के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज रही, इसके बाद 4,99,892.24 करोड़ रुपए के साथ HDFC बैंक तीसरे, ITC 3,19,752.53 करोड़ रुपए के साथ चौथे स्थान पर रही।

# प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत ऐसे खोलें मेडिकल स्टोर

भारत की एक बड़ी जन आबादी गरीबी से ग्रस्त है और कुछ बुनियादी सुविधायें जैसे कि स्वास्थ्य की देखभाल के लिए साधन नहीं जुटा सकती। स्वास्थ्य की देखभाल में गैर-इंफ्रास्ट्रक्चर साधन भी शामिल हैं, जैसे -दवाइयां। भारत में सबसे बड़ी समस्या यह है कि ब्रांडेड (जेनेरिक) दवाइयों का दाम ब्रांड रहित जेनेरिक दवाइयों से काफी अधिक होता है जबकि दोनों दवाइयों की चिकित्सात्मक गुणवत्ता एक जैसी होती है।

इसलिए फार्मा एडवाइजरी फोरम ने संयुक्त रूप से भारत के हर जिले में आम जनता को वाजिब दाम पर , गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध करवाने के लिए औषधि कैंपेन लॉन्च किया है। यह दवाएं पूरे देश भर के विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषाधी केंद्र में बिकती हैं। इन दवाइयों को बेचने वाले स्टोर व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा बोली लगाने पर उपलब्ध हैं। आइए हम जन-औषाधी योजना के काम को समझें।

### भारत के फार्मा पीएसयू ब्यूरो की भूमिका

ब्यूरो ऑफ फार्मा पीएसयू ऑफ इंडिया प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के लिए कार्यान्वयन एजेंसी है। इसका कार्य कुछ इस प्रकार है-

- सस्ती कीमत पर सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध करवाना।
- प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों द्वारा जेनेरिक दवाइयों की मार्केटिंग करवाना।
- सेंट्रल फार्मा पीएसयू और निजी क्षेत्रों की कंपनियों से दवाइयों की खरीददारी करना।
- औषधि केन्द्रों के काम की उचित निगरानी करना।

### आवेदन के लिए जरुरी चीजें

अगर आप एक नागरिक हैं तो आप प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र को खोलने के लिए आवेदन कर सकते हैं यदि-

- आप एक चिकित्सक हैं।
- आप पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी हैं।
- आपके पास बी फार्मा / डी फार्मा डिग्री है।
- यहां तक कि अगर आप व्यक्तिगत रूप से उपरोक्त योग्यता मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, तो भी आप एक जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदन कर सकते हैं । परन्तु ,उसके लिए आप बी फार्मा और डी फार्मा डिग्रीधारी व्यक्ति को कार्यरत करने के लिए सक्षम होने चाहिए ।
- लोगों के लिए सरकारी अस्पताल परिसर में एक मेडिकल स्टोर खोलने के अवसर भी हैं।

आवेदन चयन प्रक्रिया में, प्रतिष्ठित एनजीओ / चैरिटेबल संगठनों को प्राथमिकता दी जाएगी।

### लाभ मार्जिन और प्रोत्साहन राशि

यदि आप एक जन औषधि केंद्र के लिए एजेंसी प्राप्त करते हैं, तो उस का संचालन करने के लिए आपको प्रत्येक दवा एमआरपी पर टैक्स के अलावा 20त्न का मार्जिन दिया जाएगा। यदि आपका केंद्र बीपीपीआई के सॉफ्टवेयर के माध्यम से उसके साथ इंटरनेट द्वारा जुड़े हुए हैं, तो आप 2.5 लाख तक के प्रोत्साहन के योग्य हैं। यह मासिक बिक्री के 15 प्रतिशत की दर से मिलता है जो कि न्यूनतम 10 हजार तक देय होता हैं। पूर्वोत्तर राज्यों और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, आदिवासी क्षेत्रों के लिए, यह सीमा 15,000 रुपये तक होगी।

### जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवश्यक चीजें

- जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदक के पास कम से कम 120 वर्ग फीट क्षेत्रफल का स्वयं या किराए का स्थान होना चाहिए, जिस के लिए उसके पास या तो स्थान आवंटन पत्र हो या फिर लीज़ अग्रीमेंट।
- जगह की व्यवस्था करने में बीपीपीआई की कोई भूमिका नहीं होगी। नाम के साथ फार्मासिस्ट होने का प्रमाण, राज्य परिषद आदि के साथ पंजीकरण आवश्यक होता है। (या इसे जेएएस के अंतिम अनुमोदन के समय जमा किया जा सकता है)
- संबंधित प्राधिकारियों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अलग-अलग प्रमाण पत्र का प्रमाण अगर लागू हो।
- एक जन औषधि केंद्र को खोलने के लिए आवेदन कैसे करें
- आप अपने आवेदन पत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन जमा कर सकते हैं।

### ऑफलाइन आवेदन पत्र जमा करने का एड्रेस

फॉर्म में सारी इनफार्मेशन भरें सारी इनफार्मेशन बिलकुल सही होनी चाहिए वरना गलती होने पर फॉर्म रद्द माना जाता है एवं इसे नीचे दिए गए पते पर पोस्ट कर दें। सीईओ, फार्मा पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स ऑफ इंडिया (बीपीपीआई), आईडीपीएल कॉरपोरेट कार्यालय, आईडीपीएल कॉम्प्लेक्स, पुरानी दिल्ली गुड़गांव रोड, दुन्दाहेरा, गुड़गांव - 122016 (हरियाणा) बंद लिफाफे में पते से पहले साफ-साफ लिखा होना चाहिए, नए PMBJK के लिए आवेदन पत्र)

## इनकॉरपोरेशन सर्टिफिकेट को माना जाएगा पेन-टेन का प्रूफ

पैन कार्ड और टैन प्रूफ की जरुरत के मामले में इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट ने इंडस्ट्रीज को राहत देने का काम किया है। इस मामले में आईटी डिपार्टमेंट का कहना है कि मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स द्वारा जारी सर्टिफिकेशन ऑफ इनकॉर्पोरेशन को कंपनियों के लिए पैन या टैन को प्रूफ के तौर पर माना जाएगा। यानि कि अब कंपिनयों या इंडस्ट्रीज के लिए सर्टिफिकेशन ऑफ इनकॉरपॉरेशन PAN या TAN के प्रूफ के तौर पर भी काम करेगा।

यह बदलाव वित्त अधिनियम 2018 में इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 139 में संशोधन करके किया गया है और लैमिनेट कार्ड के तौर पर पैन जारी करने की जरुरत को खत्म कर दिया गया है। इसका मतलब है कि कंपनियों को पैन नंबर तो मिल जाएगा, लेकिन उन्हें लैमिनेटेड कार्ड लेना जरुरी नहीं होगा।

यह जानकारी आईटी डिपॉर्टमेंट की ओर से एक प्रेस रिलीज द्वारा प्रदान की गई है। जिसमें यह कहा गया है कि इससे यह स्पष्ट किया जाता है कि एमसीए द्वारा जारी सीओआई में उल्लेखित पैन और टैन नंबर स्पष्ट तौर पर संबंधित कंपनी एसेसीज के लिए पैन और टैन के प्रूफ के तौर पर काम करेगा।

आपको बता दें कि कॉरपोरेटस के मामले में इनकॉर्पोरेशन यानि कंपनी बनाने, पैन कार्ड अलॉटमेंट और टैन नंबर के अलॉटमेंट के लिए एक कॉमन अप्लीकेशन के माध्यम से मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स में आवेदन दिया जा सकता है। इस प्रकार आईटी डिपार्टमेंट का कहना है कि एमसीए द्वारा जारी सर्टिफिकेट ऑफ इनकॉर्पोरेशन में पैन और टैन दोनों का ही उल्लेख होता है।

# सोडेक्सो को मिला जियो टच, अब मील पास का पेमेंट होगा आसान

जियो और सोडेक्सो भारतीयों के लिए एक समृद्ध डिजिटल इको सिस्टम बनाने के लिए अपनी ताकत लगाएंगे। सोडेस्को विभिन्न संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मील पास के जरिए फायदा पहुंचाने के मामले में सबसे अग्रणी कंपनी है। जियो मनी (जोकि जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का वॉलेट है) अब सोडेक्सो मील कार्ड के साथ जुड़ गया है। जिससे अब सोडेक्सो कार्ड धारक डिजिटल भुगतान कर सकेंगे।

इस साझेदारी की वजह से सोडेक्सो स्वीकार करने वाले हजारों सोडेक्सो मर्चेंट्स जैसे किराने की दुकानों, कियोस्क , रेस्तरां और कैफे अब डिजिटल भुगतान स्वीकार कर सकेंगे। सोडेक्सो मील पास को जियोमनी ऐप से जोड़ा जा सकता है, जिससे कभी भी, कहीं भी तुरंत भुगतान किया जा सकता है।

इससे पूरे भारत में जियोमनी के उपयोगकर्ताओं को एक अतिरिक्त डिजिटल लेनदेन विकल्प हासिल होगा। उपभोक्ताओं को अब भोजन और गैर-अल्कोहलिक पेय खरीदने के लिए सोडेक्सो का कार्ड रखने की जरूरत खत्म हो जाएगी। वे आसानी से सोडेक्सो मील कार्ड बैलेंस को जियोमनी ऐप में जोड़ सकते हैं और इसका इस्तेमाल शुरू कर सकते हैं।

दोनों ब्रांडों द्वारा प्रस्तुत सेवाओं को अपनाने के लिए जियो और सोडेक्सो एक साथ काम करना जारी रखेंगे। इस मौके पर बोलते हुए जियो मनी के बिजनेस हेड,अनिरबन एस मुखर्जी ने कहा कि, हर भारतीय को डिजिटल टेक्नोलॉजी का लाभ मिले और साथ ही वे डिजिटल लाइफ का भरपूर मजा ले सके इसीलिए जियो और सोडेक्सो ने साझेदारी की है।

यह साझेदारी भारत में जियोमनी और सोडेक्सो दोनों के उपयोगकर्ताओं के लिए नए डिजिटल लेनदेन का विकल्प होगी। आगे जाकर दोनों ब्रांड सहयोग बढ़ाने और भारत के बढ़ते डिजिटल इको सिस्टम में अपनी पहुंच और उपस्थिति का विस्तार करेंगे।

स्टेफेन मिशेलिन, सीईओ सोडेक्सो बेनिफिट्स एंड फायर्ड सर्विसेज इंडिया ने कहा कि, ÷सोडेक्सो में हम सोडेक्सो मील कार्ड का उपयोग करने के नए तरीकों का विस्तार करके उपभोक्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करते हैं। हमारा प्रयास हमारे 30 लाख दैनिक उपयोगकर्ताओं के लिए खुदरा अनुभव को बेहतर बनाना है।

इसे मुंबई में लॉन्च किया जा चुका है और उपभोक्ताओं प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। कुछ ही समय में पूरे देश भर में सोडेक्सो स्वीकार करने वाले वेंडर जियोमनी सॉल्युशन को स्वीकार करेंगे। जियोमनी और सोडेक्सो के बीच यह साझेदारी पूरे देश के भुगतान परिदृश्य में एक व्यापक बदलाव लाएगी।

# सरकारी बॉन्ड को कैसे खरीदा जा सकता है?

आप शेयर बाज़ार के खिलाड़ी हैं? या फिर आप वो हैं जो कि म्यूचुअल फण्ड या फिक्स्ड डिपॉजिट खातों में निवेश करते हैं? वैसे तो उदास होने से अच्छा है सावधान रहना है, लेकिन आजकल रिस्क लेने का दौर है। आइए देखते हैं कुछ सरकारी बांड और प्रतिभूतियों की ओर।

सुनने में तो ये काफी नया और भ्रामक लगता है लेकिन ऐसा है नहीं। न केवल उद्योगपति बल्कि बैंक भी सरकारी प्रतिभूतियों पर धन निवेश करते हैं। लेकिन छोटे-छोटे निवेशक के रूप में, हर व्यक्ति भी निवेश कर सकता है। आइए देखते हैं कैसे-

### डीमैट खाता जरुरी

इसके बारे में विस्तार से जानने से पहले, अपने-आप से पूछिए आप क्या चाहते है कम या अधिक अवधि का बचत अगर आप शेयरों में निवेश करना चाहते हैं तो डीमैट खाता होना जरूरी है। डीमैट अकाउंट्स वे खाते हैं, जिसमें सभी ट्रेडिंग शेयर और म्यूचुअल फंड होते हैं।

### शेयर बाजार में सभी बॉन्ड उपलब्ध नहीं होते

शेयर बाजार की सुनवाई आपको डरा सकती है, लेकिन चिंता न करें, शेयर बाजार में आम तौर पर सरकारी स्टॉक या बॉन्ड उपलब्ध नहीं होते हैं। वे पूरी तरह से सभी प्रमुख बैंकों और डाकघरों के साथ उपलब्ध हैं।

धन निवेश के लिए, पास के किसी बैंक के शाखा में जाकर आपको आवश्यक दस्तावेजों सहित निवेदन पत्र देना होगा। आपके

अनुरोध प्रक्रिया के कुछ समय बाद आपको अपना नाम लिखा हुआ बांड प्रमाण पत्र हासिल हो जाएगा।

### आरबीआई की योजना

सुनने में यह आसान लगता है, चलिए विस्तार से जानते हैं इसका पंजीकरण कौन कराता है। जैसा कि पहले कहा गया है, हमारे जैसे छोटे-समय के निवेशक को सरकारी प्रतिभूतियों में सौदा करने की अनुमति नहीं थी, मगर आर.बी.आई के शुक्रगुज़ार हैं कि एक नई योजना लेकर आए हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने एक योजना शुरू की है जिसका नाम है नेगोशिएटेड डीलिंग सिस्टम - आर्डर मैचिंग (एनडिएस -ओएम) प्लेटफॉर्म।

### प्रायवेट बॉन्ड और सरकारी बॉन्ड कैसे अलग

सरकारी प्रतिभूतियों के सभी बैंक और प्राथमिक डीलरों (पीडी) आरबीआई की योजना एनडीएस-ओएम के मौजूदा सदस्य हैं, और हम व्यक्तिगत निवेशक भी उनके माध्यम से बांड खरीद और बेच सकते हैं।

### ध्यान देने योग्य

- सरकारी प्रतिभूति सब्सिडियरी जनरल लेजर (एसजीएल) खातों के मामले में आयोजित की जाती है। एक बार जब बैंक या पीडीएस आदेश को अंजाम देते हैं, तो सरकार ऑर्डर रद्द कर देगी और एसजीएल को खाता डीमैट फॉर्म में बदल देगी और फंड को डीमैट खाते में ही स्थानांतरित कर देगा।
- 20 से 30 साल के लिए वरिष्ठ नागरिक जो लंबे समय तक निवेश करते हैं उनके निवेश किए गए पैसे पर प्रत्यक्ष 8त्न ब्याज मिलता है, जो सबसे अधिक ऋण साधनों की तुलना में अधिक है।
- बचत के अलावा, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करके कर लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। चूंकि बाजार में उतार-चढ़ाव है, इसलिए लोग ट्रांजैक्शन के सुरक्षित रूप की तलाश में म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना शुरू कर सकते हैं।